

# बढ़ता राजस्थान

Since : 2004

/// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 15 | अंक : 196

जयपुर | बुधवार, 21 मई, 2025

ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष नवमी संवत्-2082

भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

| मूल्य : ₹ 5.00 | पृष्ठ : 12

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

## वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

## मुस्लिम पक्ष बोला- बदलाव लागू हुए तो नुकसान की भरपाई नहीं

## सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राहत के लिए मजबूत दलीलें लाइए

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर मंगलवार की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस मरीन की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत पाने के लिए मामले को और मजबूत करा चाहिए।

सुनवाई के दौरान सीजेआई बीआर गवई बोले- हर कानून के पक्ष में संवैधानिकता की धारणा होती है। अंतरिम राहत के लिए, आपको एक बहुत

मजबूत और स्पष्ट मामला बनाना होगा। बरना, संवैधानिकता की धारणा बनी रहेगी। सॉलिसिटर जनरल तुशर मेहता ने कहा कि कुल तीन मुद्दे हैं, जिन पर रोक लगाने की मांग की गई है। और उस पर मैं जबाब दाखिल कर दिया है। इन मुद्दों पर सुनवाई को सीमित किया जाए। याचिकाकर्ताओं को बकील कपिल सिंघल और अधिके एम चिंघवी ने अधिक अधिकारी को बदल बेंच ने मामला बुखार तक के लिए स्थगित कर दिया। बेंच अब केंद्र सरकार का पक्ष सुनेगी।

इसके बाद बोला- बदलाव किया और कहा- कोई भी सुनवाई दुकड़ों में नहीं हो सकती। यह

बक्फ संपत्तियों पर कब्जे का मामला है। सिंघल ने कहा कि सिंफं तीन मुद्दे नहीं हैं। परे वक्फ पर अतिरिक्त कानून का मुद्दा है। सरकार तय नहीं कर सकती कि कौन से मुद्दे उठाएं जाएं। अगर प्रावधान लागू हुए नुकसान की भरपाई मुश्किल होगी। मंगलवार को 3 घंटे तक याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद बेंच ने मामला बुखार तक के लिए स्थगित कर दिया। बेंच अब केंद्र सरकार का पक्ष सुनेगी।

**याचिकाकर्ताओं की दलीलें**

- 2025 के संघीयों को वक्फ पर कब्जा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो गैर-न्यायिक है। संघीयों ने एक बार वक्फ के सिद्धांत को निरस्त कर दिया है।
- रजिस्ट्रेशन न होने से वक्फ की वैधता पर असर नहीं होता था। केवल जुम्मना लगता था। संघीयों के बाद बेंच ने मामला बुखार तक के लिए स्थगित कर दिया। बेंच अब केंद्र सरकार का पक्ष सुनेगी।
- कानून में जांच के लिए कोई प्रक्रिया-डेलाइन तय नहीं है। जीवन के एक टुकड़े पर विवाद होने पर पूरी संपत्ति का वक्फ दर्जा खत्म हो जाएगा।



पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कहा था- अंतरिम राहत देने पर विचार करेंगे

इसे पहले कोर्ट ने इस मुद्दे पर 15 मई की सुनवाई की थी। तब सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एम मरीन ने केंद्र और याचिकाकर्ता को 19 मई तक हॉफनामा पेश करने को कहा था। हालांकि, इसको लेकर जनकारी अभी सामने नहीं आई है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुशर मेहता और याचिकाकर्ताओं की ओर से केंद्र सिविल ने दलीलें पेश की हैं। बेंच ने कहा कि अंतरिम राहत दिये जाने के मुद्दे पर हम 20 मई को विचार करेंगे।

## संक्षिप्त समाचार

4 आईपीएस के तबादले, तीन जिलों ने एसपी बदले

सात दिन बाद झुझानू और हनुमानगढ़ में एसपी लगाए, बालौता एसपी का तबादला



बढ़ता राजस्थान



## जयपुर में निकाली सिंदूर यात्रा को सीएम ने किया रवाना

बढ़ता राजस्थान

महिलाओं ने सिंदूर से तिलक किया, पीएम को भेंजेंगे कपड़ा, डिप्टी सीएम भी हुई शामिल

जयपुर। आपरेशन सिंदूर के समर्थन में बीजेपी की ओर से मंगलवार को जयपुर में सिंदूर यात्रा निकाली गई। जयपुर सांसद मंजू शर्मा के नेतृत्व में यह यात्रा निकली। सीएम भजनलाल शर्मा ने बड़ी चौपड़ से यात्रा को रवाना किया। वहाँ डिटी सीएम दिया कुमारी और मुख्यमंत्री की पत्नी गीता शर्मा सहित अन्य महिलाएं यात्रा में शामिल हुईं।

लेकिन स्थानीय विधायक बालमुकुंदाचार्य कार्यक्रम से नदारद रहे। जिसकी चर्चा कार्यकर्ताओं के बीच रही। यात्रा बड़ी चौपड़ से त्रिपोलियो होते हुए छोटी चौपड़ पहुंचकर स्थान छुई। यात्रा के दौरान पुलिस की सख्ती से बीजेपी कार्यकर्ता नाराज कर दिये।

बीजेपी के कई कार्यकर्ता पुलिस से उलझते दिखे। इस अंतरिम यात्रा में डिटी सीएम दिया कुमारी और अन्य जनप्रतिनिधि पैदल चल रहे थे। जिनकी सुरक्षा में पुलिस ने घेरा बना रखा था। इस दौरान कई बार ऐसे मौके आए जब यात्रा की धराई संपर्क और समर्थन की प्रतीक थी। इस यात्रा के माध्यम से अप्रैलेन सिंदूर की सफलता की गाँथ जन-जन तक पहुंची।

## सांसद ने किए हस्ताक्षर अनाउंसमेंट करके बुलाया

यात्रा के अंत में सभी महिलाओं ने सिंदूर से सफेद कपड़े पर तिलक लगाकर अपने हस्ताक्षर किए। सबसे पहले सांसद मंजू शर्मा ने सिंदूर से तिलक कर अपने हस्ताक्षर किए। उसके बाद जिला बिला बालमुकुंद रामा चौपड़, हेटरेज मेयर कुमार यादव सहित अन्य महिलाओं ने सिंदूर से तिलक किया। महिलाओं द्वारा तिलक लगा यह कपड़ा सांसद मंजू शर्मा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सिंपैरी। हालांकि सिंदूर से तिलक का यार्कर्कम यात्रा के समापन के मौके पर ही होता था। लेकिन उस समय इसे नहीं किया गया। कार्यक्रम समाप्त के बाद आयोजन में लगी महिला कार्यकर्ताओं को जब इस बात का ध्यान आया तो उन्होंने ताकि आयोजन के साथ संसाद और अन्य नेताओं को बुलाया। लेकिन तब तक डिटी सीएम दिया कुमारी कार्यक्रम स्थल से रवाना हो चुकी थी।

## सिंदूर घारी संस्कृति और समान का प्रतीक : सीएम शर्मा

यात्रा के शुभाभ के मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में हमारी सेना ने आपरेशन सिंदूर के माध्यम से बहुमान लिया। हमारी वीर जागीरों ने आपरेशन सिंदूर के माध्यम से बहुमान लिया। इस यात्रा के अंतर्गत उन्होंने कहा कि सिंदूर बहनों के माथे की शोभा होने के साथ ही हमारी संस्कृति और समान का प्रतीक है। इस यात्रा के माध्यम से अप्रैलेन सिंदूर की सफलता की गाँथ जन-जन तक पहुंची।

कर्नाटक में भारी बारिश, 8 की मौत बेंगलुरु में 500 घर डूबे; महाराष्ट्र में इमारत का स्लैब ढहा, 4 की मौत

राजस्थान में पारा 47°C पहुंचा



बढ़ता राजस्थान

अलर्ट है। यहाँ मंगलवार को सुबह 8.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे के बीच 0.4 मिमी बारिश दर्ज की गई।

महाराष्ट्र के बायां में भी मंगलवार दोपहर 4 मंजिला इमारत का स्लैब ढह गया। इस घटना में एक बच्चे से त्रिपुरा के बीच 500 से ज्यादा घरों में पानी भर गया। BT रुले लाइट के बायां भरों में पानी भरे गये। रेस्क्यू टीम ने 4 शव लगाने से 12 साल के बच्चे और 63 साल के बुजुर्गों को मौत ही गये। ब्लास्टफॉल्ड में दीवार गिरने से 35 साल की महिला की मौत ही गई।

शिवांगा जिले के मल्लकोट्टे में पथर की खदान में ढह गई। इस घटना में 5 मजदूरों की मौत ही गई। रेस्क्यू टीम ने 4 शव बरामद किए हैं। एक मजदूर बायां ढह गया है, उसका इलाज जारी है। अधिकारियों ने बताया कि यहाँ तेज बारिश हो रही है, चट्टान को ब्लास्ट किया गया था। इसी दौरान वह ढह गया।

राज्य के 7 जिलों में बारिश के अलर्ट को बदलकर रेड अलर्ट में अपग्रेड किया गया। यहाँ अचानक बाढ़ की भी चेतावनी है। लगातार बारिश के चलते बंगलुरु में आरेंज

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारी डेयरी क्षेत्र में सर्सेनेविलिटी और सकर्युलैरिटी विषय पर एक वैटक की अध्यक्षता की अध्यक्षता की अध्यक्षता की अधिकारियों की अध्यक्षता की अधिकारियों की स्थापना का निर्णय लिया गया। पहली समिति पशु आहार नियम, रोग नियत्रण और कृतिम गभर्डन पर काम करेगी, दूसरी गोवर प्रबंधन के मांडल विकासित करेगी, और तीसरी मूल मवेशियों के अवधारण के सर्वसुलूल उपयोग को बढ़ावा देगी। वैटक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब हम श्वेत



से कार्बन क्रोडेट का प्रत्यक्ष लाभ किसानों के बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि आगे किसानों की आय में बुद्धि करनी है तो हमें एक ऐसे परिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना चाहिए जो सतत ही और चक्रीय अर्थव













शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर नई पहल

सफाई योद्धाओं का सराहनीय योगदान

नगरपालिका हनुमानगढ़ का

स्वच्छता की दिशा में मजबूत कदम

बद्रा राजस्थान

हनुमानगढ़ (राजेश खारदू)। स्वच्छता को प्राथमिकता बनाते हुए हनुमानगढ़ नगरपालिका ने सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में नई पहल की है। नगरपालिका प्राप्तासक श्री उम्मेदीलाल मीना और नगर परिषद आयुक्त श्री सुनेद्र यादव के नेतृत्व में शहर में सफाई की स्थिति में लापाला सुधार देखा जा रहा है। हर दिन तक शहर जहां शहर सो रहा है, सफाई योद्धा गलती-गलती, नाती-नाती स्वच्छता का संदेश लेकर सफाई कार्य में जट जाते हैं। सफाई निरीक्षक श्री रमणीपांडे कौं खुद फोटो में रहकर सफाई कार्यों की नियापानी करती हैं और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देती हैं। प्राप्तासक श्री उम्मेदीलाल मीना ने बताया कि न सिफर शहर बल्कि आसपास की कच्ची बसियों में भी सफाई कर्मचारियों की तैयारी की गई है। साथ ही, इन सफाईयों में पक्की सड़कों और नालियों के निर्माण की भी योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिससे वहां रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। नगरपालिका जनधानीयों को भी बढ़ावा दे रही है। नगरपालिका एपील को गई है कि वे निर्धारित स्थान पर ही करचा डालें और स्वच्छता में सहयोग करें। यह अधिकारियों ने सफाई रूप से हनुमानगढ़ को एक स्वच्छ, सुदूर और व्यवस्थित शहर बनाने की दिशा में सारथक प्रयास हैं।

**बाड़ी में 9 साल पुराने फायरिंग केस में फैसला : दो आरोपियों को 7 साल की सजा, 20 हजार जुर्माना**

बद्रा राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। बाड़ी एडीजे कोर्ट ने 9 साल पुराने फायरिंग मामले में दो आरोपियों को दोषी करार दिया है। मामला बसई डांग थाना क्षेत्र के मुताबिली गांव का है। घटना 9 जुलाई 2016 की है। राजेंद्र और अनार सिंह निहाल सिंह नाम के एक युवक की पिटाई कर रहे थे तिलाल सिंह भागकर राजेंद्र पुत्र चिरोंजी गुर्जर के पास पहुंचे। राजेंद्र ने उसे शरण दी। इस पर आरोपियों ने फायरिंग कर दी। गोली राजेंद्र को लाली और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल राजेंद्र को रायारा ले जाकर कराया गया। पीड़ित ने बसई डांग थाने में राजेंद्र, अनार सिंह और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मानलावर को एडीजे सुनील कुमार गुर्जर ने आईपीसी की धारा 143, 323, 341, 336 और 307 के तहत सुनवाई पूरी की। कोटे ने राजेंद्र और अनार सिंह को दोषी पाया। दोनों को 7 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई। साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

**दो माह से फरार आरोपी गिरफ्तार**

बद्रा राजस्थान

भूसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। भूसावर थाना पुलिस ने उच्च अधिकारियों के निर्देश पर असामाजिक तत्वों पर वार्तालाल मुलजिमाओं के विवर धरपकड़ एवं लोकल एवं स्पेशल एक्ट में प्रभावी कार्यवाली करते हुए भूसावर थाना अधिकारी नरेश चंद की टीम ने धारा 112(2) बीएनएस व 13 अपरीजीओं में लापाला दो माह से फरार आरोपी भवानिसंह उर्फ पिन्ड पुत्र रामकिशन जाति माली उम्र 29 साल निवासी नगला बन्ध भूसावर थाना भूसावर को पोर्ट अफिस मुसावर के पास से गिरफ्तार कर ले में पेश किया गया।

**आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कुशल**

**प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधाएं हैं -डॉक्टर सिंह**

 बद्रा राजस्थान

भूसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। किसी भी कार्यस्थल की उत्पादकता उसके कर्मचारियों पर निर्भाय है, इसलिए कार्यस्थल का माहील और व्यवस्थाएँ कर्मचारियों के अनुकूल होनी चाहिए। किसी भी देश के लिए कृशल मानव संसाधन तैयार करने की शुरुआत स्कूल व कॉलेज से होती है। लेकिन भारत में स्कूल व कॉलेज तो ही हें लेकिन उनमें आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कृशल प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का। डॉ. उदय भान जिंद 20 मई 2025 मानलावर को अन्तर्राष्ट्रीय मानवन संसाधन तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का। डॉ. उदय भान जिंद 20 मई 2025 मानलावर को अन्तर्राष्ट्रीय मानवन संसाधन तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का।

भूसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। किसी भी कार्यस्थल की उत्पादकता उसके कर्मचारियों पर निर्भाय है, इसलिए कार्यस्थल का माहील और व्यवस्थाएँ कर्मचारियों के अनुकूल होनी चाहिए। किसी भी देश के लिए कृशल मानव संसाधन तैयार करने की शुरुआत स्कूल व कॉलेज से होती है। लेकिन भारत में स्कूल व कॉलेज तो ही हें लेकिन उनमें आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कृशल प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का।

भूसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। किसी भी कार्यस्थल की उत्पादकता उसके कर्मचारियों पर निर्भाय है, इसलिए कार्यस्थल का माहील और व्यवस्थाएँ कर्मचारियों के अनुकूल होनी चाहिए। किसी भी देश के लिए कृशल मानव संसाधन तैयार करने की शुरुआत स्कूल व कॉलेज से होती है। लेकिन भारत में स्कूल व कॉलेज तो ही हें लेकिन उनमें आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कृशल प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का।

भूसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। किसी भी कार्यस्थल की उत्पादकता उसके कर्मचारियों पर निर्भाय है, इसलिए कार्यस्थल का माहील और व्यवस्थाएँ कर्मचारियों के अनुकूल होनी चाहिए। किसी भी देश के लिए कृशल मानव संसाधन तैयार करने की शुरुआत स्कूल व कॉलेज से होती है। लेकिन भारत में स्कूल व कॉलेज तो ही हें लेकिन उनमें आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कृशल प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का।

भूसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। किसी भी कार्यस्थल की उत्पादकता उसके कर्मचारियों पर निर्भाय है, इसलिए कार्यस्थल का माहील और व्यवस्थाएँ कर्मचारियों के अनुकूल होनी चाहिए। किसी भी देश के लिए कृशल मानव संसाधन तैयार करने की शुरुआत स्कूल व कॉलेज से होती है। लेकिन भारत में स्कूल व कॉलेज तो ही हें लेकिन उनमें आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कृशल प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का।

भूसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। किसी भी कार्यस्थल की उत्पादकता उसके कर्मचारियों पर निर्भाय है, इसलिए कार्यस्थल का माहील और व्यवस्थाएँ कर्मचारियों के अनुकूल होनी चाहिए। किसी भी देश के लिए कृशल मानव संसाधन तैयार करने की शुरुआत स्कूल व कॉलेज से होती है। लेकिन भारत में स्कूल व कॉलेज तो ही हें लेकिन उनमें आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कृशल प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का।

भूसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। किसी भी कार्यस्थल की उत्पादकता उसके कर्मचारियों पर निर्भाय है, इसलिए कार्यस्थल का माहील और व्यवस्थाएँ कर्मचारियों के अनुकूल होनी चाहिए। किसी भी देश के लिए कृशल मानव संसाधन तैयार करने की शुरुआत स्कूल व कॉलेज से होती है। लेकिन भारत में स्कूल व कॉलेज तो ही हें लेकिन उनमें आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कृशल प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधाएं नहीं हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवधारणा से ही उत्तर द्यायी, विलासी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाएँ देनी चाहिए, यह कहना है कृषि महाविद्यालय भूसावर के ढींडा डॉ. उदय भान सिंह का।

भूस







